महावाणिज्य दूत ने हिंदी के महत्व को उजागर करते हुए भाषण दिया

संविधान सभा द्वारा वर्ष 1949 में हिंदी को भारत संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

इस उद्देश्य के लिए सभी भारतीय दूतावासों और मुख्यालय में दिन-प्रतिदिन राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़े का अयोजन किया जाता है।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत, भारत के महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज, ने 1 सितंबर 2021 से 14 सितंबर 2021 तक बड़े उत्साह के साथ हिंदी पखवाड़ा मनाया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान बहुत सारी गतिविधियाँ आयोजित की गईं और महावाणिज्य दूतावास के सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों ने प्रत्येक गतिविधि में भाग लिया। इसके अलावा नेपाल में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों को भी गतिविधियों में शामिल किया। महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित गतिविधियों में बीरगंज के कई स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों की व्यवस्था की गई:

उद्घाटन दिवस : 1 सितंबर, 2021 - महावाणिज्य दूत ने हिंदी के महत्व को उजागर करते हुए भाषण दिया और महावाणिज्य दूतावास के सभी कर्मचारियों को हिंदी पखवाड़ा के लिए आयोजित प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

- वाद-विवाद प्रतियोगिता: वर्क फ्रॉम होम विषय पर: क्या इसे केवल महामारी के दौरान या सभी समय के लिए अनुमति दी जानी चाहिए।
- निबंध प्रतियोगिता: "वर्तमान समय में हिंदी की प्रासंगिकता" विषय पर
- हिंदी में श्रुतलेख
- स्लोगन राइटिंग
- कहानी लेखन प्रतियोगिता
- हिंदी पठन गतिविधि
- कविता पाठ
- हिंदी में गाने गाना
- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- "आपके दो मिनट" शीर्षक वाला एक कार्यक्रम: जिसमे कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को एक मौका दिया गया ताकी वो अपने विचारहिंदी में सबके सामने रख सके ।
- **समापन दिवस और पुरस्कार वितरण : 14 सितंबर , 2021** – राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की सलाह के अनुसार, "राजभाषा प्रतिज्ञा" महावाणिज्य दूत द्वारा महावाणिज्य दूतावास में कार्यरत सभी सरकारी अधिकारियों तथा

कर्मचारियों को उनके संवैधानिक कर्तव्यों और राजभाषा नियमों और विनियमों के अनुसार अपना आधिकारिक कार्य करने के लिए दिलायी गयी।

हिन्दी पखवाड़ा
हिन्दी पखवाड़ा

आज़ादी का अमृत महोत्सव
हिन्दी पखवाड़ा
सितम्बर १-१४,२०२१